Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide interest free loan to Farmers in Supaul, Bihar.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): माननीय अध्यक्ष महोदय, देश में अगर किसी क्षेत्र में बदलाव की जरूरत है तो वह कृषि और किसान से जुड़े हालात हैं । मैं माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार एवं बिहार सरकार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार के उन प्रयासों का स्वागत करता हूँ, जिनके अन्तर्गत फसल बीमा योजना, त्वरित सिंचाई योजना, हर खेत में बिजली द्वारा सिंचाई, हर किसान को वर्ष में 6 हजार रुपये अनुदान राशि वगैरह की सहायता कार्यान्वित की जा रही है । आज ऐसी मूलभूत सुविधाओं की जरूरत है, जो अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़-सुखाड़, ओला एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण बर्बाद हो गई फसल की भरपाई करते हुए उनके सम्मानजनक जीवन-यापन का बंदोबस्त कर सकें । खाद-बीज पर्याप्त मात्रा में कम कीमतों पर उपलब्ध हो । हाईब्रिड फसलों के नाम पर किसानों के सामने मंहगे बीज का संकट उनकी पारंपरिक किसानी की राह पर बहुत बड़ा रोड़ा साबित हो रहा है ।

अत: इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि किसानों को दयनीय स्थिति से उबारने के लिए कृषि के आधारभूत ढांचे, कृषि उत्पादन और उसके विपणन के परंपरागत तरीकों को बदलने की आवश्यकता है, ताकि किसानों को न्यूनतम लागत पर उनकी उपज का अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके । किसानों का जीवन स्तर उठाने के लिए निश्चित रूप से हमें कृषि उत्पादन की ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके । खेती करने वाले मजदूरों के अभाव में कृषि कार्य में प्रयुक्त होने वाले आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक मंहगे होने के कारण मध्यमवर्गीय किसान उन्हें खरीद ही नहीं सकते । इसलिए सरकार किसानों को ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था करें । धन्यवाद ।